लोक सभा सचिवालय
प्रेस एवं जन सम्पर्क स्कंध
संसद भवन, नई दिल्ली
LOK SABHA SECRETARIAT
Press and Public Relations Wing
Parliament House, New Delhi

प्रेस विज्ञप्ति PRESS RELEASE

लास्ट माइल कनेक्टिविटी की अपनी शक्ति द्वारा सामाजिक संगठन योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाएं: लोक सभा अध्यक्ष / SOCIAL ORGANIZATIONS SHOULD USE THEIR LAST MILE CONNECTIVITY FOR DELIVERY OF BENEFITS OF SCHEMES TO LAST PERSON : LOK SABHA SPEAKER

...

सूरत को विश्व का ज्वेलरी capital बनाने में समस्त देश के कारीगरों तथा उद्यमियों की भूमिका है: लोक सभा अध्यक्ष / ARTISANS AND ENTREPRENEURS FROM ALL OVER COUNTRY HAVE CONTRIBUTED IN MAKING SURAT JEWELERY CAPITAL OF WORLD: LOK SABHA SPEAKER

...

मरुधरा के लोग अपने परिश्रम और संकल्प द्वारा 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की संकल्पना को साकार करते हैं: लोक सभा अध्यक्ष / PEOPLE OF MARUDHARA REALIZE CONCEPT OF 'EK BHARAT SHRESHTHA BHARAT' BY THEIR HARD WORK AND DETERMINATION: LOK SABHA SPEAKER

...

सामाजिक संगठन जनप्रतिनिधियों से निकट संपर्क रखें : लोक सभा अध्यक्ष / SOCIAL ORGANIZATIONS SHOULD KEEP CLOSE CONTACT WITH PEOPLE'S REPRESENTATIVES: LOK SABHA SPEAKER

लोक सभा अध्यक्ष ने सूरत के सामाजिक संगठनों द्वारा आयोजित कार्यक्रम में प्रबुद्धजनों को संबोधित किया / LOK SABHA SPEAKER ADDRESSES DISTINGUISHED PERSONS IN PROGRAMME ORGANIZED BY SOCIAL ORGANIZATIONS OF SURAT

…

Surat, 17 April, 2022: During his one-day visit to Surat, Lok Sabha Speaker Shri Om Birla, while addressing the distinguished persons in a programme organized by social organizations, said that in order to make India a Viswaguru, everyone will have to join the mission of building a new India with a sense of collectiveness to achieve the common cause. He called upon the people to take a pledge that when we celebrate the 100th anniversary of our independence in the year 2047, their role should be prominently reflected in that.

Describing Surat as the Jewelry Capital of the World, he said that artisans and entrepreneurs coming from different States have contributed to make Surat as it is today. He expressed satisfaction that people from different parts of the country came here and earned success on the strength of their talent and hard work. He said that a large number of people from Rajasthan also came to Surat and became successful because of their determination and hard work. He expressed happiness that the people of the Marudhara, on the strength of their hard work and determination, innovate, expand business, connect people and realize the concept of 'Ek Bharat Shreshtha Bharat'.

Mentioning that despite the global pandemic and other international challenges our country is progressing economically and socially, Shri Birla said that this has been possible only due to the visionary policies of the country. He further said that along with the efforts of the government, social organizations also have an important role to play in meeting any challenge faced by the country. Shri Birla emphasized that the last mile connectivity is the power of social organizations

and they should use this power so that the benefits of government schemes and policies can be taken to the last person of the society.

Shri Birla urged the social organizations to keep close contact with the public representatives of their respective areas. Whether a representative of a Gram Panchayat or a member of a Municipality, a member of a Legislative Assembly or a Member of Parliament, they should monitor their works and contribute to development of the country. He expressed confidence that this would not only lead to quick solutions to the problems of the people, but would also increase the accountability of the government and bring transparency in governance.

Shri Birla also mentioned that a nationwide 'Know Your Constitution' campaign is being run by the Government and Parliament to increase awareness and knowledge among citizens regarding constitutional provisions. He said that the contribution of social organizations and social workers is also necessary for success of this campaign.

सूरत, 17 अप्रैल, 2022: सूरत में अपने एक दिवसीय प्रवास के दौरान लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने सामाजिक संगठनों द्वारा आयोजित सम्मान कार्यक्रम में प्रबुद्धजनों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत को विश्व गुरु बनाने के लिए सभी को सामूहिकता के भाव के साथ नवभारत के निर्माण मिशन में जुटना होगा। उन्होंने उपस्थित जनों से यह संकल्प लेने का आह्वान किया कि वर्ष 2047 में जब हम अपनी आजादी की 100वीं वर्षगाँठ मनाए तो उनकी भूमिका उसमें प्रमुख रूप से परिलक्षित हो।

सूरत को विश्व का ज्वेलरी capital बताते हुए उन्होंने कहा कि आज सूरत की जो पहचान है उसे दिलाने में विभिन्न राज्यों से आने वाले कारीगरों तथा उद्यमियों की भूमिका है। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की कि देश के अलग अलग हिस्सों से लोग यहाँ

आए और अपनी प्रतिभा एवं परिश्रम के बल पर सफलता अर्जित की। उन्होंने कहा कि राजस्थान से भी यहाँ बड़ी संख्या में लोग आए और अपनी मेहनत तथा योग्यता के कारण सफल हुए। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की कि मरुधरा के लोग अपने परिश्रम और संकल्प के बल पर नवाचार करते हैं, काम-धंधों को विस्तार देते हैं, लोगों को जोड़ते हैं तथा 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की संकल्पना को साकार करते हैं।

यह उल्लेख करते हुए कि वैश्विक महामारी एवं अन्य अंतर्राष्ट्रीय चुनौतियों के बावजूद हमारा देश आर्थिक-सामाजिक रूप से आगे बढ़ रहा है, उन्होंने विचार व्यक्त किया कि देश की दूरदर्शी नीतियों से ही संभव हो पाया है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए सरकार के प्रयासों के साथ-साथ सामाजिक संगठनों की भी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। श्री बिरला ने जोर देकर कहा कि लास्ट माइल कनेक्टिविटी सामाजिक संगठनों की शक्ति है, जिससे सरकारी योजनाओं एवं नीतियों का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जा सकता है।

श्री बिरला ने सामाजिक संगठनों को सुझाव दिया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों के जनप्रतिनिधियों से निकट संपर्क रखें। चाहे ग्राम पंचायत स्तर का जनप्रतिनिधि हो, अथवा नगरपालिका का, विधान सभा का सदस्य हो या संसद का सदस्य हो, वे उनके कार्यों को देखें तथा उन्हें निरंतर अपने सुझाव देते रहें। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इससे न सिर्फ जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान निकलेगा, बल्कि शासन की जवाबदेही बढ़ेगी और शासन में पारदर्शिता भी आएगी।

उन्होंने इस बात का भी उल्लेख किया कि सरकार तथा संसद द्वारा नागरिकों के बीच संवैधानिक प्रावधानों के संबंध में जागरूकता और ज्ञान में वृद्धि के लिए देशव्यापी Know Your Constitution अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस अभियान की सफलता में सामाजिक संगठनो और समाजसेवियों का योगदान भी आवश्यक है।